# पशुजनित माइकोबेक्टेरिम एवियम पैराट्यूबरकुलोसिस (मैप) जीवाणु मनुष्यों में आँतों तथा अन्य असाध्य रोगों को एक मुख्य कारण

## माइकोबेक्टेरिम एवियम पैराट्यूबरकुलोसिस (मैप) जीवाणु के परीक्षण की निःशुल्क सुविधा

मैप, टी.बी. तथा कुष्ठ रोग के जीवाणुओं की श्रेणी में आता है तथा पशुओं के प्रमुख रोग 'जोहनीज रोग' का कारक है, जिसके चलते घरेलू पशु (गाय, भैंस, बकरी, भेड, बैल इत्यादि) निरन्तर कमजोर होते रहते हैं। शारीरिक बढवार भी कम रहती है तथा पशु दूध व मांय का उपयुक्त उत्पादन नहीं कर पाते। इस जीवाणु के चलते हमारे पशुओं का उत्पादन अन्य एशियाई देशों के पशुओं की तुलना में छः गुना कम है। यह जीवाणु आँतों में सूजन पैदा करता है जिससे भोजन अवशोषित नहीं हो पाता है और पशु धीरे–धीरे कमजोर होते रहते हैं। गाय, भैंसों में लाइलाज दस्त इस रोग का मुख्य लक्षण है जो किसी (एण्टीबायोटिक या एण्टी परजीवी) दवा से ठीक नहीं होते। यह रोग गर्भावस्था में, वीर्य द्वारा, खीस एवं दूध द्वारा संक्रमित पानी एवं चारे द्वारा पशुओं में फैलता रहता है।

यह जीवाणु मनुष्यों की आंतों में सूजन जिसे क्रोहन रोग भी कहते हैं का प्रमुख कारण है। जिसमें संक्रमिक व्यक्तियों में अक्सर दस्तों की शिकायत रहती है तथा धीरे धीरे कमजोरी आती रहती है। हल्का बुखार या पेट दर्द रह सकता है। व्यक्ति हर समय थकावट महसूस करता है। यह जीवाणु दूध में उपलब्ध रहता है, तथा पाश्च्यूराइजेशन के दौरान भी मरता नहीं है इसलिये यह लगातार हमारी खाद्य श्रृंखला (बच्चों का दूध पाउडर, आइस्क्रीम इत्यादि) के माध्यम से हम तक पहुँचता रहता है। विकसित देशों की भांति हमारे देश में भी पाश्च्यूराइज्ड दूध एवं दुग्ध उत्पादों (दूध पाउडर, फरमैनटेड चीज, आईस्क्रीम) का प्रचलन निरन्तर बढता जा रहा है, जिस कारण इस जीवाणु को संक्रमण न सिर्फ हमारे देश परन्तु पूरे विश्व की जनसंख्या में बढता जा रहा है। यह रोग आँतों की सूजन के अलावा टाइप – 1 डायबिटीज, एलजाईमर, मल्टीपिल स्क्लीरोसिस, थॉयराइड डिसआर्डर, अर्थराइटिस, विभिन्न प्रकार की एलर्जी इत्यादि रोगों का भी कारक माना जा रहा है।

इस जीवाणु का परीक्षण, माइक्रामस्कोपिक विधि, इलिसा किट, पी.सी.आर. एवं माइक्रोवियल कल्चर द्वारा केन्द्रीय बकरी अनुसंधान, मखदूम में निम्नलिखित पते पर निःशुल्क जांच की सुविधा उपलब्ध है।

- जॉच हेतु रोगी के उपचार का रिकार्ड, खून, मल, सीरम के नमूने कार्यालय समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक सभी कार्यान्यवित दिनों में प्रस्तुत कर सकते हैं।
- जॉच के लिये किसी रोगी को कोई शुल्क देय नहीं है। यह जॉच भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की परियोजना OPZD के अन्तर्गत मुफ्त की जाती है।


**डा0 शूरवीर सिंह**
परियोजना अधिकारी
आउटरीच प्रोजेक्ट ऑन जूनोटिक डिसीजेज (OPZD)
माइक्रोवायोलोजी प्रयोगशाला
केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान मखदूम–फरह
मो.नं. 09719072856, 09675109810
mail- shoorvir.singh@gmail.com
agrawalnarottam@gmail.com


मुद्रकः अन्नू प्रिंटर्स, मैन बाजार, फरह